भूल आई म्हारा कान्हा जमुना किनारे म्हारी ओढ़नी लिरिक्स

भूल आई म्हारा कान्हा,
जमुना किनारे म्हारी ओढ़नी,
ओढ़नी जी ओढ़नी जी,
ओढ़नी जी कान्हा ओढ़नी,
भूल्याई मारा कान्हा,
जमुना किनारे म्हारी ओढ़नी।bd।

हे मारा पीर की ओढ़नी जी,
कान्हा ओडु बार त्यौहार,
बेगा ल्यावों सावरा रे,
आओ कृष्ण मुरार,
भूल्याई मारा कान्हा,
जमुना किनारे म्हारी ओढ़नी।bd।

हे काली काली कामनी जी,
लटके घेर घूमेर,
केसरिया सा फुंधा लटके जी,
के चारों मेर,
भूल्याई मारा कान्हा,
जमुना किनारे म्हारी ओढ़नी।bd।

मैं जाती की गुजरी कान्हा,
तू जाती को अहीर,
थारो मारो हेत मिल्यो रे,
पूरा जन्म को शिर,
भूल्याई मारा कान्हा,
जमुना किनारे म्हारी ओढ़नी।bd।

हे चंद्रसखी री विनती थे,
सुनजो सिरजनहार,
रामफूल गान सुनावे,
थे आओ कृष्ण मुरार,
भूल्याई मारा कान्हा,
जमुना किनारे म्हारी ओढ़नी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भूल आई म्हारा कान्हा,
जमुना किनारे म्हारी ओढ़नी,
ओढ़नी जी ओढ़नी जी,
ओढ़नी जी कान्हा ओढ़नी,
भूल्याई मारा कान्हा,
जमुना किनारे म्हारी ओढ़नी।bd।

गायक – रामफूल धाकड़।
प्रेषक – नरेश धाकड़।
9214511673

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com